कार्यकारी सार

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (कम्पनी) तेल तथा प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अन्तर्राष्ट्रीय भुजा है। यह देश की ऊर्जा सुरक्षा सुरक्षित करने के उद्देश्य के साथ तेल तथा गैस की अन्वेषण एवं उत्पादन (ईएण्डपी) परियोजनाओं में लगी है। मार्च 2010 तक कम्पनी ने विश्व के 16 देशों में ₹ 52,491.90 करोड़ के निवेश से कुल 45 ईएण्डपी परिसम्पत्तियां प्राप्त कर ली थीं। कम्पनी ने गत छः वर्षों में से पांच वर्षों के दौरान लगातार बढ़ते लाभ प्राप्त किए हैं। 2009-10 में इसका लाभ तेजी से ₹ 4004 करोड़ तक कम हो गया।

अप्रैल 2004 से मार्च 2010 तक की अवधि के लिए कम्पनी की 45 ईएण्डपी परिसम्पत्तियों में से 20 की निष्पादन लेखापरीक्षा[1] में इसके कार्यचालन के दो क्षेत्रों की पहचान की गई जिनके सुदृढ़ किए जाने, यथा, ईएण्डपी परिसम्पत्तियां प्राप्त करने के लिए निवेश अवसरों के मूल्यांकन करने की कम्पनी की प्रणाली तथा संयुक्त उद्यम और अपनी आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली का गठन करने की आवश्यकता है।

निवेश अवसरों तथा संयुक्त उद्यमों के गठन का मूल्यांकन

अन्वेषणात्मक परिसम्पत्तियों में निवेश में निम्न लागत किन्तु उच्च जोखिम शामिल होते है। 36 परिसम्पत्तियों, जिन्हें कम्पनी ने ₹ 6,206.83 करोड़ के निवेश से खोज चरण पर प्राप्त किया, में से केवल पांच सफल हुई हैं। ₹ 1,066.17 करोड़ के निवेश से इन परिसम्पत्तियों में से आठ को त्यागना पड़ा था (इन त्यागी गई परिसम्पत्तियों में से तीन में कम्पनी एकमात्र मालिक तथा प्रचालक थी) और शेष 23 परियोजनाएं अभी भी खोज की प्रणाली में थीं। कम्पनी को अभी प्रचालक के रूप में सफलता पानी है।

कम्पनी का ₹ 46,285 करोड़ का प्रमुख निवेश (88 प्रतिशत) नौ परिसम्पत्तियों में था जो उत्पादक/अन्वेषित चरण पर प्राप्त की गई थीं। चूंकि खोज एवं उत्पादन उच्च जोखिम तथा गहन पूंजी कारोबार है इसलिए निवेश अवसरों तथा संयुक्त उद्यमों के गठन की तुलना में विधिवत सचेतना के द्वारा निवेश हित और भागीदारी हित के फार्मिंग इन और फार्मिंग आउट की प्राप्ति की सीमा के ब्यौरे देकर जेवी के गठन के लिए भी मूल्यांकन के लिए प्रलेखित तथा संरचित नीति होनी वांछित है। तथापि, कम्पनी में ऐसी कोई नीति नहीं थी जो निर्णय करने और प्रणाली में बृहत्तर स्थिरता, आश्वासन तथा पारदर्शिता पूरी करने के लिए एक ढ़ांचा प्रदान कर सके।

लेखापरीक्षा में 20 नमूना मामलों में से नौ में निवेश अवसरों तथा संयुक्त उद्यमों के गठन की मूल्यांकन प्रक्रिया में कमियां देखी गई थीं। महत्वपूर्ण कमियां निम्न थीं :

- कम्पनी ने भंडार डाटा की सीमित उपलब्धता तथा सुरक्षा समस्याओं के होते हुए व अपने परामर्शदाता के प्रतिबन्धों के बावजूद सूडान में खोज 5 बी ब्लाक प्राप्त किया। संघ अनुसूचित भूकम्पीय तथा भेदन योजना कार्यान्वित नहीं कर सका और हाइड्रोकार्बन की कोई प्राप्ति न होने के मद्देनजर ब्लाक को छोड़ देना पड़ा था जिसके परिणामस्वरूप ₹ 423.84 करोड़ का निष्फल व्यय हुआ।

- कम्पनी ने कतर में नजवात नजम ब्लाक में किसी स्वतन्त्र तकनीकी परामर्शदाता से इन मानचित्रों तथा डाटा के पुनः वैधीकरण बिना कतर पेट्रोलियम द्वारा तेल भण्डारों के अनुमानों पर भरोसा किया। भेदन से तेल की वाणिज्यिक रूप से अव्यवहार्य खोज का पता चला और ब्लाक को छोड़ना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप ₹ 369.45 करोड़ का निष्फल व्यय हुआ। निवेश जोखिम को आरम्भ में ही कम किया जा सकता था यदि कम्पनी ने पेट्रोलियम संसाधन प्रबन्धन प्रणाली के मानक मार्गनिर्देशों में यथा निर्धारित

[1] *भारत में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर*

अन्तर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन किया होता जो भंडार आकलन तथा विकसित परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए विवेकी तथा सुसंगत अभिगम पर विचार करती हैं।

- ₹ 10,320 करोड़ की लागत पर रूसी संघ (इम्पीरियल एनर्जी निगम) में कम्पनी द्वारा प्राप्त उत्पादक परिसम्पत्ति के मामले में कम्पनी 35,000 बैरल तेल प्रतिदिन के निर्दिष्ट उत्पादन स्तर के प्रति केवल 15,803 बैरल तेल प्रति दिन (बीओपीडी) का उत्पादन प्राप्त करने में समर्थ हुई है और इसलिए उसने जनवरी 2009 से मार्च 2010 तक के 15 महीनों के दौरान ₹ 1182.14 करोड़ की हानि उठाई।

- नाइजीरिया में संयुक्त उद्यम के मामले में कम्पनी जेवी भागीदार द्वारा स्थानीय कानून के उल्लंघन के प्रति अपने हितों को सुरक्षित नहीं कर सकी जिसमें ₹ 77.63 करोड़ का वित्तीय प्रभाव था और इसके अतिरिक्त एक अन्य मामले में इसने जेवी का गठन किए बिना स्वयं ब्लाक का मूल्यांकन करने का निर्णय लिया और स्वयं को परिहार्य जोखिम में डाल दिया।

आन्तरिक नियंत्रण

- संयुक्त उद्यम अनुबन्धों में सभी मामलों में भागीदार की लेखापरीक्षा का प्रावधान अन्तर्विष्ट था। तथापि, 29 ईएण्डपी परिसम्पत्तियों, जो जेवी प्रबन्ध के अन्तर्गत थीं, में से कम्पनी ने एक से तीन वर्षों के औसत विलम्ब के बाद 11 जेवी में इसको उपलब्ध भागीदार के लेखापरीक्षा अधिकार का उपयोग किया। इसके परिणामस्वरूप अनियमितताओं का समय पर पता नहीं चला और परिणामतः समय पर सुधार कार्रवाई प्रभावित हुईं थीं।

- पणधारियों को आश्वासन प्रदान करने के लिए विभिन्न राजनीतिक पर्यावरण तथा विविध पोर्टफोलियो की विविध व्यूहरचना में 16 देशों में कम्पनी की उपस्थिति के मद्देनजर कम्पनी को आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

सिफारिशें

- कम्पनी उत्पादक, अन्वेषित तथा खोज परिसम्पत्तियों की प्राप्ति के लिए निवेश अवसरों के मूल्यांकन के लिए पेट्रोलियम संसाधन प्रबन्धन प्रणाली की प्रथाओं के अनुरूप एक नीति बनाए तथा मानक मार्गनिर्देश तैयार करे ताकि जोखिम कम किए जा सकें।

- कम्पनी संयुक्त उद्यमों के गठन के लिए नीति बनाए तथा मार्गनिर्देश तैयार करे ताकि जोखिम कम किया जा सके, संयुक्त वित्तीय क्षमता को बढ़ाया जा सके और संयुक्त उद्यम भागीदार का अनुभव बांटा जा सके।

- चूंकि खोज तथा उत्पादन कारोबार उच्च जोखिम तथा गहन पूंजी कारोबार है इसलिए कम्पनी को अपनी आन्तरिक लेखापरीक्षा सहित अपनी आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को सुदृढ़ करने और वित्तीय तथा प्रचालन कार्यकलापों के लिए बहु स्तरीय नियंत्रण के साथ सुदृढ़ निगरानी तन्त्र सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त कम्पनी को जेवी भागीदारों की लेखापरीक्षा के लिए समय पर लेखापरीक्षा प्रबन्ध स्थापित करने चाहिएं।

अध्याय

1

प्रस्तावना